om-10_Page 1 and 2 18-08-2014 10:03 Page 1



# भावी नई दुनिया की अग्रदूत हमारी दादी

**मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत एक ऐसा करिश्माई व्यक्तित्व जिसने आध्यात्मिकता की मशाल लेकर जन-जन के हृदयमें परमात्म प्यार की अलख जगाई, उन्हें उन अनुभूतियों से जगाया जो वे संसारिक दुनिया में करतें रहे। स्मस्त संसार में शिवसागर के पद्चिन्हों पर चल भावी दुनिया का झंडा भवसागर में फंसे हुए लोगो के दिलों पर गाड़ा और कहा उठो ,जागो फिर न रुको क्योंकि स्वर्णिम सबेरा आने ही वाला है... ऐसा कह एक श्वेत वस्त्रधारिणी ने शांतिदूत बन शांति का परचम सारे गलोब पर लहराया,आज भी वे हम सबके मध्य अपनी उन्हीं अकांशाओं के साथ जीवंत अभिनय कर रही हैं।**

**प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक आध्यात्मिक शैक्षणिक संस्थान है जिसकी स्थापना स्वयं निराकार परमात्मा द्वारा सन् 1936 में हुई। वर्तमान समय इस विश्व विद्यालय की 137 देशों में 8500 से भी अधिक शाखाएं हैं। संस्था का मुख्यालय राजस्थान के माउण्ट आबू में स्थित है।**

अध्यात्म प्रज्ञा राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी, एक ऐसी विदूषी सशक्त नारी का नाम है जिन्होंने सिद्ध किया कि नारी शक्ति-स्वरूपा है। नारी में विद्यमान शक्ति को आध्यात्मिकता द्वारा पुनर्जागृत किया जाये तो वह समाज में महान क्रान्ति की नायिका बन सकती है। आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग द्वारा नारी ही शीतला, दुर्गा, सरस्वती और संतुष्टता की मणि सन्तोषी देवी बन सकती है, यह अपने जीवन में उन्होंने कर दिखाया। उन्होंने अपने नेतृत्व में भारत और विश्व के लगभग 130 देशों के लाखों भाई-बहनों के जीवन में अ-द्भुत परिवर्तन लाकर विश्व सेवा के लिए प्रेरित किया। अपने अनुपम मूल्यनिष्ठ जीवन, आध्यात्मिक शक्ति एवं प्रशासनिक दक्षता से ब्रह्माकुमारी संगठन में प्रेम, शान्ति, सत्यता, समरसता, सद्भावना, आत्मिक दृष्टि, वात्सल्य, करूणा जैसे जीवन मूल्यों को परमात्म शिक्षा और विश्वास से सुसज्जित किया।

### इस महान आत्मा का धरा पर अवतरण

दिव्यता की मूर्ति अनन्य आत्मा का जन्म सन् 1 जून 1922 में हैदराबाद सिन्ध (पाकिस्तान) में हुआ। वह बचपन से ही दिव्य आभा से आलोकित थीं। सन् 1937 में विश्व के पालनहार परमपिता परमात्मा शिव ने हीरे जवाहरात के प्रतिष्ठित व्यापारी दादा लेखराज को परमात्मा के सत्य स्वरूप एवं भावी नई दुनिया का अलौकिक साक्षात्कार कराया। 'प्रजापिता ब्रह्मा' के दिव्य नाम से आलोकित कर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्था-पना की। हैदराबाद के सुप्रसिद्ध ज्योतिषी की पुत्री रमा देवी 14 वर्ष की तरुण अवस्-था में इस संस्था के संस्थापक के संपर्क में आयी। उसे भी अनेक दिव्य साक्षात्कार हुए, जिसमें उन्होंने ज्यो-ति-स्वरूप शिव एवं नई सतयुगी दुनिया देखी। उन्हें वर्तमान विश्व, प्रकृति के प्रकोप, अणु-शक्ति, गृह युद्ध आदि द्वारा परिवर्तन होने का द्रश्य भी दिखाई दिया। रमा देवी के दूरदर्शी एवं भविष्य वक्ता लौकिक पिता को अपनी पुत्री के भावी जीवन के संकेत प्रारंभ से ही मिल गये थे। उन्हीं के अनुरूप यही रमा देवी आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति पर प्रका-शमणि कहलाईं।

संयक्त राष्ट्रसंघ के जनरल सेक्रेटरी डॉ परवेज द कुलर दादी प्रकाशमणि को पीस मेडल देकर सम्मानित करते हुए।

रत्नप्रभा दादी प्रकाशमणि ने अपनी बाल्यावस्था से ही स्व-परिवर्तन से विश्व परिवर्तन की संकल्पना के साथ इस संस्थान की आध्यात्मिक क्रान्ति में अपने आप को प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के सम्मुख पूर्ण रूप से ईश्व -शेष पेज-4 पर..

**कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510**
**सदस्यता के लिए सम्पर्क-** M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

**सदस्यता शुल्क: भारत** - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
**कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।**

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Aug 2014
**संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।**